NAME OF THE COLLEGE – Godda College, Godda

SL NO	DATE	NAME OF THE TEACHER	SUBJECT	SEM	TOPIC	MODE ADOPTED
01	24.04.2020	Md Mahtab Ahmad	CC-08	B.Ed 2nd year	School organization concept	Pdf
02	25.04.2020	Md Mahtab Ahmad	CC-08	B.Ed 2nd year	Major components of School organization	Pdf

Scanned by CamScanner

विद्यालय संगठन के मुख्य अंग (Major components of school organisation)

(1) नियोजन – विद्यालय संगठन की एक पूर्व योजना अवश्य बना लेनी चाहिए। योजना तैयार करने मे संगठन के सभी पक्षो का सहयोग लिया जाना चाहिए जिससे कि एक व्यापक योजना तैयार हो सके।

(2) समन्वय – विद्यालय के सभी अंगो ~~को परस्पर~~ में परस्पर समन्वय होना अति आवश्यक है। प्रधानाध्यापक तथा संगठन आयोजक को इस कार्य में बड़ी सावधानी से रखनी चाहिए। तभी सब संगठन व्यक्ति स्वयं को विद्यालय का अभिन्न अंग समझेंगे तथा एक-दूसरे का सहयोग करके विद्यालय की समस्याओं को सुलझाने का प्रयत्न करेंगे।

(3) नियुक्तियाँ – विद्यालय में नियुक्तियों का आधार योग्यता व कुशलता को रखा जाये। समर्थ व योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति बिना किसी पक्षपात के करनी चाहिए तथा नियुक्ति के बाद पूरा वेतन भत्ता व अन्य सभी सुविधायें अवश्य प्रदान करनी चाहिए।

(4) निर्देशन – विद्यालय संगठन में निर्देशन का एक महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यालय संगठन की उन्नति बहुत कुछ सफल निर्देशन पर निर्भर करती है। निर्देशन का रूप आदेशात्मक न होकर यदि सुझावात्मक होगा तो सभी विद्यालय के कर्मचारी ~~कर्तव्य कर्तव्य~~ कर्तव्य का पालन अवश्य करेंगे।

(5) नियंत्रण – प्रत्येक संगठन पर कुशल नियंत्रण अवश्य होना चाहिए क्योंकि यदि नियंत्रण नहीं होगा तो संगठन उच्छृंखल हो जायेगा। संगठनकर्ता के नियंत्रण में बनाये गये नियम, आदेश व शर्तें प्रजातांत्रिक सिद्धान्तो पर आधारित होने चाहिए। यदि संगठनकर्ता द्वारा लिये गये निर्णय सभी विद्यालय कर्मचारियों को मान्य हो तो विद्यालय संगठन कार्यक्रम भी सुचारु रूप से चलेगा।

(6) प्रगति की जानकारी रखना – समाज के उत्थान में विद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः यह आवश्यक है कि विद्यालय की प्रगति, विकास तथा उपलब्धियों की जानकारी सभी सामाजिक व्यक्तियों को दी जाये। इस कार्य के लिये प्रायः सभी विद्यालय वर्ष भर में एक बार एक पुस्तक प्रकाशित करते है जिसे स्कूल की मैगजीन कहा जाता है।

Scanned by CamScanner

इसमे पूरे स्कूल के वर्ष भर के आय-व्यय तथा उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रकाशित किया जाता है। इससे सामान्य जनता को विद्यालय के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त हो जाती है।

(7) मूल्यांकन - मूल्यांकन विद्यालय संगठन का महत्वपूर्ण तत्व है। मूल्यांकन के माध्यम से संगठनकर्ता को अपनी गलतियों तथा उपलब्धियों का ज्ञान प्राप्त होता है। तथा संगठन के मार्ग में आने वाली बाधाओं की जानकारी प्राप्त होती है। मूल्यांकन के माध्यम से एक संगठनकर्ता अपने संगठन को सुदृढ़ एवं सार्थक बना सकता है।

Scanned by CamScanner